

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 11. (क) मन्न भंडारी ने एक कहानी यह भी पाठ में यह कथन अपनी माँ के लिए कहा है।
 लेखिका की माँ बहुत ज्यादा महनशीलता से भरी थी।
 उनकी माँ में दारुनी से भी ज्यादा महनशीलता थी।
 वे अपनी निम्नवारियों को पुरा करती थीं। वे लेखिका के पिता के क्रोध को महन करती रहती थीं।
 परंतु लेखिका इससे बहुत अलग थीं। वे क्रांतिकारी थीं।
 उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।
 उन्होंने इसके लिए अपने पिता जी की कुछ बातों का भी विरोध किया। वे अपनी माँ की तरह महनशील नहीं बनीं।
 इसलिए वे कहती हैं कि उनकी माँ का त्याग उनका आदर्श नहीं बन सका।

(ख) विस्मिल्ला खाँ के जीवन में रसूलनबाई तथा बतूलनबाई की एक अहम भूमिका रही।

विस्मिल्ला खाँ बालाजी मंदिर उसी मंदिर रास्ते से जाते थे, जो शस्ता बसूलनबाई तथा बतूलनबाई से होकर जाता था। वे जब भी बसूलनबाई तथा बतूलनबाई के गायन को सुनते तो उन्हें बहुत खशी होती थी। यह कहना उपयुक्त होगा कि इन्होंने बहनों ने खाँ साहब की संगीत के प्रति आस काचि बढ़ाई अर्थात् इन्होंने उनके अनुभव के खेत पर संगीत की वर्षासाला डकरी

(ग) कौसल्यायन जी के विचार से:-

संस्कृति वह प्रवृत्ति, प्रेरणा अथवा योग्यता है, जिसमें एक मनुष्य नया आविष्कार करता है। यदि आग तथा सड़-छागे के आविष्कार का उदाहरण लें, तो जिस शक्ति ने इनका आविष्कार करा था वह भी संस्कृति है। जो प्रयत्न मनुष्य से त्याग करवाती है, वह भी संस्कृति कही गई है।

प्रश्न 12. (क) उदघब ने गौपियों को समझाने तथा उनकी विरह वेदना को शांत करने हेतु निर्माण भक्ति का संदेश दिया है। उन्होंने उन्हें श्रीग का संदेश

दिया। ह
गौपियों को वह इसलिये परसंद नहीं आया क्योंकि वे श्री कृष्ण से एकनिष्ठ प्रेम करती थीं। साथ ही वे श्रीग के संदेश को कड़वी-कड़वी के समान तथा एक श्रीग के समान देखती हैं। उन्हें ज्ञान मार्ग नहीं, प्रेम मार्ग परसंद था।

(ख) जयशंकर प्रसाद ने अपनी आत्मकथा न लिखने के निम्नलिखित कारण गिनवाए हैं :-

- (1) जयशंकर प्रसाद के विचार से उनकी आत्मकथा में कोई विलक्षणता नहीं होगी। वह पूरी एक आम आदमी की कथा की शक्ति ही होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि उनका जीवन एक खाली घड़े के समान है, जिसमें विषय में सुनकर कोई बात-बात नहीं



करेगा। ✓

(ii) साथ ही वे कहते हैं कि अभी उनकी मौल्य व्यथा सोई हुई है तथा वे अच्छे जराबा नहीं चाहते। ✓

(iii) मुख्य गायक - गायिकाओं की सफलता उनके संगतकारों संगतकारों पर निर्भर करती है। वह इस प्रकार से क्योंकि :-

(i) संगतकार हमेशा गायक गायिकाओं के साथ उनकी सहायता देते खाड़ा रहता है वह मुख्य गायक द्वारा अंतर की जटिल तालों में खी जाने पर स्थायी को सँभाले रहता है।

(ii) साथ ही जब मुख्य गायक का स्वर तार सयत्क में थोड़ा बिथरा हुआ लगता है तथा उसकी प्रेरणा कम होती देखी दिखती है, तो वह उसे प्रेरणा देता है तथा उसके आहस को बाँधता है। ✓

(iii)

संस्कार साथ ही मुख्य गायक - गायिकाओं को यह विश्वास
 दिलाता है कि वह अकेला नहीं है तथा दोबारा गाया
 जा सकता है गाया जा चुका शग। ✓

प्रश्न 13. (क) शिवभूजन महाय द्वारा रचित 'माता का अंचल'
 पाठ में बच्चों की शक अनीश्वी लुनिया का
 वर्णन है। श्रीलानाथ तथा उसके आर्थी के खेल
 आजकल के बच्चों द्वारा खेले जाने वाले खेलों
 से बहुत भिन्न है। ✓

श्रीलानाथ के खेल का असल जीवन पर अधिक आधारित
 होते थे। जैसे - धौंसा बनाना, बारात निकालना, खैती
 करना इत्यादि। परंतु हमारे खेल अलग हैं, जैसे -
 फुटबॉल, क्रिकेट आदि। उनके खेल प्रकार
 के बीच खेल जाते हैं। परंतु आज बच्चे घरों में
 ही सोबाइल पर ज्यादातर खेल खेलते हैं। श्रीलानाथ
 और उसके आर्थियों के खेलों की आसपास मिल जाती थी।

(22)

मध्य कांकरिया द्वारा शचित पाठ (साना - साना हाथ जोड़ें) में
 जीवन नामों उन्हें पहाड़ी स्कूली बच्चों के बारे में
 बहुत जानकारी देता है। वह बताता है कि पहाड़ी स्कूली
 बच्चों को शीघ्र सुबह उठकर कई किलोमीटर पैदल चलकर
 स्कूल जाना होता है। वे भी अपनी माताओं के
 साथ अलग-अलग काम करते हैं - जैसे पानी भरवाना,
 लकड़ी इकट्ठा करवाना इत्यादि।

हमारा जीवन इन बच्चों के जीवन से भिन्न है। हमारे पास
 स्कूल जाने हेतु उचित साधन हैं तथा हमारे पास
 अन्य कई सुविधाएँ देखी जा सकती हैं।
 हम शायद ही अपने माता-पिता के साथ वह उनकी
 बाहर के कामों में मदद करते हैं। हमारे जीवन में जो जिस
 दिनचर्या का पालन हम करते हैं, वह स्कूली जीवन
 बच्चों की दिनचर्या से थोड़ा सरल जान पड़ता है। 04

प्रश्न 13

(ग)

विज्ञान के बढ़ते कदम



आज का युग आधुनिक युग है। इस आधुनिकता के
 वीर्य विज्ञान की आवश्यकता तथा उसको बोलबाला हमें
 समझ रूप से नजर आते हैं। आज विज्ञान के कारण
 ही हमारा देश भारत तथा विश्व के अन्य बहुत से
 देश तरक्की की ओर बढ़ चले हैं। विज्ञान आज के
 युग में एक महत्वपूर्ण अस्त्र है, जिसने उन चीजों को
 भी संभव बना दिया है, जो पहले असंभव सी
 प्रतीत होती थीं। हमारे जीवन को विज्ञान संने सरलता
 से भर दिया है। विज्ञान के अलग-अलग क्षेत्र के में
 प्रयोग के कारण बहुत कठिनाई से भरे कार्य भी सहजता
 से किये जा सकते हैं। यह कहना उचित है कि वैज्ञानिक
 उद्दान उद्दान सब देशों के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे भारत
 ने चंद्रमा पर चंद्रयान भेजकर तथा बहुत अग्नि
 शक्ति में विज्ञान का प्रयोग कर अपनी वैज्ञानिक उद्दान का
 परिचय दिया है। वैज्ञानिक उद्दान भरने के लिए हर देश को
 प्रयास करना चाहिए।

प्रश्न क्र. (20)

गांधी जयन्त

789

मुख्य

मंत्र

चौराहा

दिनांक: 21 फरवरी, 2024

आदरणीय प्रिय दादी जी

सादर नमस्कार।

मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ। आशा करती हूँ कि आप भी वहाँ स्वस्थ होंगी। मुझे बल ही माला जी ने बताया कि आपका काव्य-संग्रह (कुवशत की लय) कुछ दिनों में प्रकाशित हुआ है। आपको मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई तथा शुभकामनाएँ। मैं आपके इस उत्कृष्ट प्रयास से काफी प्रसन्न हूँ। मैं पूरी कोशिश करती हूँ कि आपका प्रयास कभी भी उसे पहने के लिए बहुत उत्साहित हूँ। आपके पत्र की प्रतिका रहेगी। आपको नमस्कार और दौलत की देर आशा प्रेम।

धन्यवाद

भवदीया

प्रिय दादी

महेश्वरी
दादी

प्रश्न 16.

प्रेषक (From) - abc@gmail.com
 प्राप्तकर्ता (to) - bcd@gmail.com

CC-
 BCC-

विषय - पानी में आपूर्ति मुहल्ले में बाधित होने के संबंध में शिकायत [आपूर्ति विभाग को]

महोदय,
 मैं तथा मेरे मुहल्ले के लोग पूरे दस दिनों से पानी आपूर्ति न होने की समस्या का झेल रहे हैं। इस समस्या के कारण किसानों को सिंचाई करने में, नहाने में तथा अफाड़ करने में मुसीबत उठानी पड़ रही है। जल निकास अधिकार है। सबह घंटों को स्कूल नहाने जाना होता है। सबको पानी धरने में समस्या हो रही है। अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि आप पानी की पूर्ति कराएं। आपका हम आभारी रहेंगे।

प्रश्न 11. (2व)

संख्या

संदेश

21-02-2024

9:00 बजे प्रातः

प्रिय मित्र स्नेहा

तुम कभी न रहो, कभी न सुको।

तुम मुँ ही आगे बढ़ती रहो।

मैं इस बात से अत्यंत प्रसन्न हूँ कि तुम्हारा चयन वैश्वमित्र के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है। तुम्हें बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। आशा है कि तुम ऐसे ही जीवन में बढ़ती रहो तथा जीवन में लक्ष्य करती रहो। भगवान से प्रार्थना है कि तुम राष्ट्रीय स्तर पर भी अच्छा प्रदर्शन करो।

शिक्षा

खण्ड अ

(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

- प्रश्न 1.
- (i) (D) I और III सही हैं। ✓
- (ii) (A) उत्पादन बढ़ाने और रोजगार पैदा करने के लिए ✓
- (iii) (C) ऊर्जा स्वावलंबन हासिल करके ✓
- (iv) (D) परमाणु बिजली को छोड़ देना चाहिए।
- (v) (C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

प्रश्न 2.

(i) (B) जन्म नियंत्रण से दूर कहीं
रूकती शिमला - मा निवास।

(ii) (D) अपने प्रसबल से अन्न उपजा कर संसार

का पैर मरने के कारण ✓

(iii) (C) ऊपर भूमि का हरे-भरे क्षेत्रों में बदलना ✓

(iv) (A) सहनशीलता - उदात्ता

(v) (D) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

प्रश्न 3. (i) (D) महावीर प्रसाद द्विवेदी केवल एक व्यक्ति न होकर अनेक थे। ✓

(ii) (D) हमने देखा कि सामने वाले मैदान में लची-भरी भारी घास पर शीले गिर रहे थे।

(iv) (C) II और IV ✓

(v) (B) 1-(III), 2-(I), 3-(II) ✓

प्रश्न 4.

(A) अष्टाफक द्वारा लखर के फासले पर दो
पांक्तियाँ खींची गई।

(ii) (B) कर्तृवाच्य का

(iv) (C) III और IV

(v) (D) 1-(III) , 2-(I) , 3-(II)

प्रश्न 5.

(ii) (C) संख्यावाचक विशेषण , बहुवचन , पुल्लिंग ,
पुरस्कार विशेष्य

(iii) (D) कर्मिक क्रिया , बहुवचन , पुल्लिंग , भूतकाल

(iv) (B) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम , पुल्लिंग , आवश्यक बहुवचन ,

कर्म कारक ✓

(v) (A) नियत, 'स्मरणा' पर बल दे रहा है।

प्रश्न 6 (i) (A) श्लेष ✓

(ii) (B) उपप्रेक्षा ✓

(v) कालियाँ दशवाजे धूल - धूल जब झुंझुट में मुक्काती हैं।

(iv) (C) आदिशयोक्ति अलंकार ✓

प्रश्न 7 (C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कथन कारण
कथन की सही व्याख्या करता है। ✓

(ii) (A) अल्पवादी, अस्पष्ट कर्ता, निष्ठावान ✓

(i) (D) शुरू ✓

(ii) (C) अपसृष्टवाक्यता और कर्तव्यों का विरोध ✓

(iii) (C) दो ठूक बात करने में अक्षीच करते ✓

प्रश्न 8 (i) (A) देश प्रार्थना ✓

(ii) (C) नई कहानी के बारे में शीघ्र अफने के लिए

प्रश्न 9 (i) (C) धरशुराम की ✓

(ii) (C) I, II, III ✓

(iii) (D) वे कमजोर नहीं, फरसाधारी वीर हैं। ✓

(iv) (A) वे बलक का वध नहीं करते। ✓

(v) (D) में बहुत विद्वान हैं। ✓

प्रश्न (i) (A) I, II ✓

(ii) (D) वालसल्य ✓

☺

50

20

प्रश्न 6 (2x)

9
 प्रेषक [From] - abc@gmail.com
 प्रेषित [To] - bcd@gmail.com

Cc-

Bcc-

विषय - मोहल्ले में पानी की आपूर्ति की समस्या हेतु आपूर्ति विभाग के अध्यक्ष को शिकायत

महोदय,

मैं एक छोटे मोहल्ले में रहने वाला हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे मोहल्ले में पानी की आपूर्ति बाधित होने की समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। लगभग पाँच दिनों से मैं मोहल्ले में पानी की आपूर्ति की समस्या हूँ। मैं मोहल्ले के लोग इससे बहुत परेशान हैं। लोगों की नहाने में, महिलाओं को बर्तन धोने में तथा बच्चानों को सिंचाई करने में बहुत मुसीबत आ रही है। साथ ही अब तो पेयजल की उपलब्धता की समस्या बढ़ती जा रही है। मेरा अनुरोध है कि आप बिजली की आपूर्ति व्यवस्था व्यवस्थित कराने की कृपा करें।

धन्यवाद